दैनिक भास्कर

चुरू 15-01-2023

महायज्ञ के तीसरे दिन रामभद्राचार्य महाराज का 74वां जन्मोत्सव मनाया गया

सालासर में 1008 कुंडीय हनुमन महायज्ञ में प्रतिदिन दी जा रही 21 लाख आहुतियां

सालासर. कथावाचन करते जगदगुरु रामभद्राचार्य महाराज।

सालासर. कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार।

भास्कर न्यूज | सालासर

बालाजी गोशाला के पास हनुमान वाटिका में चल रहे नौ दिवसीय 1008 कुंडीय हनुमन महायज्ञ के तीसरे दिन शनिवार को चित्रकूट तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरू रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज का 74 जन्म महोत्सव मनाया गया।

यज्ञाचार्य धर्म शास्त्राचार्य डॉ. बालकृष्ण कौशिक ने बताया शनिवार को यज्ञ के सर्व दिष्टा आचार्य नटवरलाल जोशी, यज्ञ सम्राट योगेश्वर बालकदास हरिद्वार के सानिध्य में 1008 कुंडों पर आचार्यों ने आहुतियां दिलाई। यज्ञ में प्रतिदिन 21 लाख आहुतियां दी जा रही है। रामकथा में रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि शिव का अर्थ है कल्याण करने वाला। जो श्मशान में सोते हैं उसे शिव कहते हैं। जिसके पास धन है, उसे धनवान कहा जाता है। यह यज्ञ राष्ट्र की अखंडता के लिए किया जा रहा है। यदि हनुमानजी महाराज लंका से सीता माता को वापस ला सकते हैं तो इस यज्ञ के द्वारा हम पाक अधिकृत कश्मीर को अखंड भारत में क्यों नहीं मिला सकते। महावीर प्रसाद पुजारी, सत्यप्रकाश पुजारी, मांगीलाल पुजारी, जयप्रकाश पुजारी, रविशंकर पुजारी आदि ने कथावाचक का सम्मान किया। लोक गायक मालिनी अवस्थान का स्वागत सत्यभामा पुजारी व यजमान मुरलीधर पुजारी ने किया। कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुतियां दी।

सत्यप्रकाश पुजारी ने बताया कि नापासर से महाराज के शिष्य मंडी माहेश्वरी समाज की ओर से वेनिटी वैन प्रदान की गई। शुक्रवार रात बालाजी गोशाला संस्थान व पुजारी परिवार की ओर से आयोजित भजन संध्या में ब्रज रत्न वन्दनाश्री मथुरा ने कृष्ण रस धारा की प्रस्तुति दी। इस मौके पर जगदगुरु वल्लभचार्य महाराज, रघुवंशीपुरा महाराज हरिद्वार, संत अखिलेशदास महाराज अयोध्या, अरविंदाचार्य महाराज नर्मदापूर, ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी महाराज, स्वामी अजयरामदास नागपुर, बालकदास महाराज, तुलसीपीठ युवराज रामचंद्रदास, रामपाल ढ़ाका, आदित्य पुजारी, आशीष पुजारी, नागरमल पुजारी, किशन पुजारी आदि मौजूद रहे।